केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय Subject : Hindi Course-A

विष. कोड Subject Code : 002

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : 19/3/19, Tuesday

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : Hindi

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएं :
Write code No. as written on the top of the question paper :

Code Number	Set Number
3/1/2	① ● ③ ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer -book(s) used

विकलांग व्यक्ति : हाँ / नहीं
Person with Disabilities : **Yes / No** No

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएं।
If physically challenged, tick the category

B D H S C A

B = दृष्टिहीन, D = मूक व बधिर, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challenged
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : Yes / No No

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सोफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used : – NA –

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 lette

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

2017662
002 / 16761

Instructions to Candidates

1. Make sure that the answer-book contains 32 pages and are properly serialec in number (including title pages) as soon as you receive it.
2. DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
3. DO NOT write your roll no., name of your school or place of examination in any of your answers.
4. You must write the supplementary answer-book serial no. in the attendance sheet.
5. Write on each ruled line on both sides and do not waste pages by leaving a wider margin.
6. DO NOT tear out or fold the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary anwer-book(s) should be asked for unless this answer-book / the previous supplementary answer-book is finished.
7. Number your answers according to their numbers in the question paper.
8. Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
9. Securely tag your answer-book with supplementary answer-book(s), graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
10. Use only blue-black or royal-blue ink/gel/ball point pen. Using of any other writing instrument/ink/pencil etc will be on your own risk and responsibility.
11. For rough calculation etc., appropriate margin on the right-hand side of the page may be drawn. The rough calculations etc. should be crossed out afterwards.
12. DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Asstt. Supdt.
13. If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations, and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M.) :-
    (a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
    (b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
    (c) writing questions or answers on any material other than the answer book given by the Centre Superintendent for writing answers;
    (d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book etc.
    (e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
    (f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
    (g) using or attempting to use any other undesirable method or means in connection with the examination;
    (h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book/ supplementary answer-sheet or part thereof; and
    (i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
Central Board of Secondary Education, Delhi
SECONDARY SCHOOL EXAMINATION (CLASS X)
सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

Q. No.	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	TOTAL
MARKS	8	7	3	4	4	4	5	8	5	8	56

Q. No.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
MARKS	4	9	5	5	—	—	—	—	—	—	23

Q. No.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
MARKS											—

Q. No.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
MARKS											—

GRAND TOTAL	79
MARKS IN WORDS	Seventy nine (79)

CBSE

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन उचित प्रश्नपत्र के सेट और अंकन योजना के अनुसार किया है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उत्तर पुस्तिका के अन्दर कोई

2

खंड - 'क'

प्र०-1 (8)

उ० (क) आजकल दूरदर्शन के धारावाहिकों का स्तर निम्न होता है। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। आजकल इसका प्रचलन बढ़ गया है। बाल्यवस्था में यह शौक हानिकारक है।

2

उ० (ख) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव छोटे बच्चों पर अधिक पड़ता है। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वह जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं।

2

उ० (ग) दूरदर्शन के निम्नलिखित दुष्प्रभाव हैं :—

→ बाल्यावस्था में इसका शौक हानिकारक है।
→ दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन आदि दोष बढ़ जाते हैं।
→ इससे मानसिक विकास रुक जाता है।

CBSE EDM 2018

→ इससे नज़र कमज़ोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है। 2

उ(ज) शब्द संधि विच्छेद
बाल्यावस्था — बाल + अवस्था (बालकों की अवस्था) 1

उ(ड.) शीर्षक → "दूरदर्शन के दुष्परिणाम"
"बच्चों पर दूरदर्शन का प्रभाव" 1

प्र०-2
उ(क) जब कोलाहल हो या सन्नाटा हो तब कविता सृजन करती है। जब हमारे पास कोई न हो तब कविता हमें सृजन करती है। तथा यह एक नया उमंग भरती है। 2

(7)

उ(ख) "जब भी तम का जुल्म गढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है"। इसका अर्थ है कि जब हमारे आसपास अंधकार छा जाता है तब कविता एक नए सूर्य की तरह निकलती है। जब भी

लोगों के उपर जुल्म हुआ तब कविता के माध्यम से लोगों ने दुश्मनों का मुँह बंद किया है कविता अंधकार के समय एक नए सूर्य की तरह उदित होती है।

30(ग) जब चेतना शब्दहीन हो जाती है तब गोलियों का चैन लुटता है।

30(घ) 'परस्पर संबंधों में दूरियाँ बढ़ने लगीं' यह भाव निम्नलिखित पंक्ति में आया है:-

* अपने भी हो गए पराए
यों झूठे अनुबंध हो गए
घर में ही वनवास हो रहा
यों गूंगे संबंध हो गए।

30(ङ) जब कर्ता अकर्ता हो जाता है तब कविता जीना सिखाती है।

CBSE EXAM 2018

प्र०-3
30(क) मैंनें उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।

(3)

30(ख) परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होते हैं।

30(घ) जो उनका ताबूत था, वह कश्मीरी गेट के निकल्सन में उतारा गया।

या

जो कश्मीरी गेट का निकल्सन कब्रगाह है, वहाँ उनका ताबूत उतारा गया।

30(ग) ~~विशेषण उपवाक्य~~

प्र०-4
30(क) बालगोबिन भगत के द्वारा प्रभातियाँ गाई जाती थी।

(4)

30(ग) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था।

उ०(घ) अवनि के द्वारा चाय बनाई जा रही है।

उ०(ङ) घायल हंस से उड़ा नहीं जाता।

प्र०-5

उ०(क) पढ़ती है :- क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन वर्तमान काल, कर्म कारक।

उ०(ग) वे :- कर्ता कारक, बहुवचन, भूतकाल, ~~संज्ञा~~ सर्वनाम

उ०(घ) परिश्रमी :- विशेषण, स्त्रीलिंग, गुणवाचक विशेषण

उ०(ङ) रवि :- संज्ञा, कर्ता कारक, पुल्लिंग, एकवचन

प्र०-6

उ०(क)(i) हाय! जीवन अबला तुम्हारी यही कहानी, आँचल में है दूध आँखों में है पानी।

(ii) हुए काल ही पीले हाथ
उठे भी न थे लाल के बोल

हाय चुप गया संसार।

30(ग) वीर रस

30(घ) वत्सल

30(ङ) ~~स~~ संयोग और वियोग।

30(ख) शृंगार रस

प्र० 7

30(क) एक दिन एक शिष्य ने खाँ साहब से कहा कि, — "बाबा! आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आप को भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं"। उस शिष्य ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बिस्मिल्ला खाँ सादगी पूर्ण जीवन बिताते थे भारतरत्न

(5)

मिलने के बाद भी वह एक तहमद पहनकर अपना जीवन बीताते थे। 2

30(ख) खाँ साहब ने शिष्य को समझाया कि "भारतरत्न हमको शहनाईया पे मिला है, लुंगिया पे नहीं। तुम लोगों की तरह बनाव - सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई। तब क्या रियाज़ हो पाता?" ~~उन्हें~~ उन्हें रियाज करना बहुत पसंद था। वह सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। उन्हें बनावटीपन पसंद नहीं था। 2

30(ग) इससे खाँ साहब के बारे में यह पता चलता है कि :-

(i) उन्हें शहनाई बजाना बहुत पसंद था
(ii) वह सादगीपूर्ण जीवन जीते थे।
(iii) वह हर समय रियाज़ करते रहते थे।
(iv) भारतरत्न मिलने के बाद भी उनका स्वभाव बदला नहीं था।

प्र०-8
उत्तर (ख) "नेताजी का चश्मा" पाठ से हमें निम्नलिखित संदेश मिलता है :-

→ हमें विकलांग लोगों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। सब लोग नेताजी को लंगड़ा कहते थे और उसका उपहास करते थे।

→ उसने कभी भी नेताजी की प्रतिमा को बिना चश्मे के नहीं छोड़ा। यह उसके देशप्रेम को दर्शाता है। हमें भी अपने देश के प्रति प्रेम रखना चाहिए।

→ चश्मेवाला एक खुशमिजाज व्यक्ति था वह कभी भी किसी बात का बुरा नहीं मानता था। इसी प्रकार हमें भी अपने गुस्से पर काबु करना चाहिए।

→ चश्मे वाला एक सच्चा देशभक्त था।

→ हमें भी चश्मे वाले की तरह अपने आस-पास होने वाली गलतियों को सुधारना चाहिए।

2

उ०(ग) लखनवी अंदाज के पात्र नवाब साहब का व्यवहार निम्नलिखित है :-

→ जब लेखक सेकेंड क्लास के उसी डब्बे में पहुँचा जहाँ नवाब साहब बैठे हुए थे तो नवाब साहब का उदास हो गए। इससे यह पता चलता है की वह लेखक से बात नहीं करना चाहते थे।

→ नवाब साहब ने खीरे को छीला और उसपे नमक, जीरा मिला लालमिर्च डाल दिया और इसका रसास्वादन में नवाब साहब की पलके मूँद गई। परन्तु उन्होंने खीरा खाया नहीं उसे फेंक दिया।

→ नवाब साहब एक क्रोध वाले व्यक्ति थे उन्हें लेखक का आना पसंद नहीं आया। वह इन सब बातों से उदास थे तथा क्रोधित हो रहे थे।

2

30(घ) फादर बुल्के को 'करुणा की दिव्य चमक' इसलिए कहा गया है क्योंकि:-

→ वह एक देवदार के पेड़ की तरह थे जो लंबा होने बाद भी छाया देता है।

→ वह किसी की चीज़ को लेना तो दूर उसको अपने अंदर लाते भी नहीं थे।

→ वह एक दिव्य व्यक्ति थे। क्योंकि वह दुख के क्षणों मे भी अपने सांत्वना भरे शब्दों से सबका मन हल्का कर देते थे।

→ वह साधु होने के बावजूद भी सब के साथ मिलकर रहते थे।

→ वह कभी भी किसी की बात का बुरा नहीं मानते थे।

→ वह सबको एक करने में लगे रहते थे तथा पारिवारिक झगड़ो से दूर रहते थे।

→ उनके सांत्वना भरे शब्द लोगो को शान्ति देते थे।

2

3(ङ) लेखक ने बिस्मिल्ला खाँ को वास्तविक अर्थों मे सच्चा इंसान इसलिए माना है क्योंकि :-

→ बिस्मिल्ला खाँ सादगीपूर्ण जीवन जीते थे

→ वह डुमराँव मे रहते थे और डुमराँव को आज उनके नाम से जाना जाता है

→ उन्हें शहनाई बजाना बहुत पसंद था। उन्होंने आजादी के अवसर पर भी शहनाई बजाई थी।

→ वह दो कौमों को एक करना चाहते थे। वह कभी भेदभाव नहीं करते थे।

→ वह हमेशा रियाज़ मंदिर मे ही करते थे।

→ उनकी शहनाई से हमेशा मधुर गीत ही निकलता था।

→ उन्हें भारतरत्न पुरस्कार भी मिला था।

→ वह अपने देश से बहुत प्रेम करते थे तथा उन्होने आज़ादी के लिए संघर्ष भी किया है।

खण्ड-4

उ(क) इस पंक्ति से कवि यह कहना चाह रहे (5) है कि हर चाँदनी रात के बाद अंधेरी रात अवश्य आती है। उसी प्रकार सुख के बाद ~~सुख~~ दुख अवश्य आता है। हमे कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

2

उ(ख) कवि ने यथार्थ पूजन की बात इसलिए कही है क्योंकि जो हमारे साथ वर्तमान मे हो रहा है उसे हमें स्वीकार करना ही पड़ता है चाहे वो सुख हो या दुख। हमे अपने अतीत को भूलकर अपने वर्तमान में जीना चाहिए क्योंकि ~~भविष्य~~ अतीत के सुख को याद करने से वर्तमान को दुख बढ़ जाता है। हमें सच्चाई को स्वीकारना ही पड़ता है।

2

उ०(ग) "मृगतृष्णा" का अर्थ होता है जब कोई वस्तु न हो फिर भी वह हमें नज़र आती है। जैसे :- चिलचिलाती धूप में जब रेगिस्तान में कोई चल रहा हो उसे कहीं दूर पानी नज़र आता है परन्तु पास जाने पर वहाँ कुछ भी नहीं होती। इसी को मृगतृष्णा कहते हैं। लोगों को सिर्फ वस्तु का बिंब नज़र आता है। कविता में मृगतृष्णा धन - दौलत इज्जत आदि मृगतृष्णा है। मृगतृष्णा अर्थात् भ्रम।

प्र०-10

उ०(क) उक्त पंक्ति से यह संदेश दिया गया है कि आग सिर्फ रोटियाँ सेकने के लिए इसका उपयोग कभी जलने के लिए नहीं करना चाहिए। बल्कि लोगों का डट कर सामना करना चाहिए।

2

उ(ख) कवि अपने मन को यह समझाना चाह रहा है कि हमें अपने अतीत को भूल कर वर्तमान में जीना होगा। वर्तमान की परिस्थियों का डट कर सामना करना चाहिए। हमे अपने अतीत के सुख को याद नहीं करना चाहिए इससे वर्तमान का दुख बढ़ जाता है।

उ(ग) उक्त पंक्ति का आशय यह है कि छोटे बच्चे फूलों की तरह होते है अगर उन्हें छू दो तो वह रोने लगते जिस प्रकार शेफालिका का फूल झड़ जाता है। बच्चों की मुस्कान बहुत ही मनमोहक होती है वह मुस्कुराते हुए बहुत अच्छे लगते है। वह रोते हुए बिल्कुल अच्छे नहीं लगते। वह रोते हुए झड़े हुए फूल की तरह लगते हैं।

उ(ङ) परशुराम जैसे लक्ष्मण ने वीर योद्धा के लक्षण बताए है कि वीर योद्धा बच्चे, गाय, लोगो पर अपनी वीरता दिखाने वाले लोग कायर होते है। जो व्यक्ति युद्ध मे जीत कर अपने आप को वीर बनाता है वह सच्चा वीर योद्धा होता है।

2

प्रश्न-1
उ-1 सीमा पर सैनिक निम्नलिखित प्रकार की कठिनाइयो से जूझते है :-
सैनिको को अपने परिवार को छोड़कर अपने देश की रक्षा के लिए सीमा पर खड़ा रहना पड़ता है। उनके परिवार वालो को बहुत कठिनाई होती है वह उनसे बात भी नही कर पाते। तथा महीनो तक सैनिक अपने परिवार से दूर रहते है।

5

सैनिकों को हर प्रकार के मौसम
में सीमा पर खड़ा रहना पड़ता है।
चाहे गरमी हो या किटकिटाती ठंडी
वह कभी भी पीछे नहीं हटते।
सैनिकों को रहने के लिए सही
स्थान प्राप्त नहीं होता वह सही
से खाना भी नहीं खाते और
न ही उन्हें शुद्ध जल प्राप्त होता
है। सैनिकों को अपनी जान पर खेल कर
अपनी देश की रक्षा करनी पड़ती है।
कभी - कभी कुछ सैनिक अपनी जान
भी खो बैठते हैं।
भारतीय युवकों को सैनिकों की इज्जत
करनी चाहिए। तथा उनके जैसे
बनने की कोशिश करनी चाहिए।
हमें अपने देश के जवानों के लिए
प्रार्थना करनी चाहिए जिससे कि वह
सुरक्षित रहे।

प्र०-13

1/105
सुभाष गली,
गाँधी नगर,
दिल्ली -31

सेवा में,
परिवाहन विभाग प्रबंधक
दिल्ली,
विषय :- संचालक को अपराधी पकड़ने के लिए पुरस्कृत करने हेतु
महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि एक बस में एक अपराधी चोरी कर के भाग रहा था। उस अपराधी को भागता देख संचालक द्वारा पकड़ कर पुलिस को ~~सौंपने~~ सौंपा। यह घटना आई. टी. रोड़ पर एक सार्वजनिक बस में हुई थी। इस घटना के कारण बहुत से लोग डर गए थे तथा कुछ लोग तो भागने

भी लगे थे। अपराधी ने चाकू निकालकर लोगों को डराया भी था। परन्तु एक संवाहक ने उसे पकड़ लिए और उसे पुलिस को सौंप दिया ~~बहइस~~ संवाहक ने बिना डरे उस अपराधी को पकड़ा तथा लोगों की जान बचाई। यह संवाहक बहुत ही वीर तथा निडर था। ~~अतः~~ अतः आपसे अनुरोध है कि आप उस संवाहक को सम्मानित व पुरस्कृत करें। तथा लोगों को इनके बारे में पता चले और लोग हमेशा सावधान रहें।

दिनांक :- 19 - मार्च - 2019

आपकी आज्ञाकारी
निखत नूरी

प्र०न५ (5)

विज्ञापन लेखन

पैन पैन पैन

* आप इस पैन को बहुत सारी कामों में उपयोग कर सकते है।

* यह पैने बिल्कुल मक्खन की तरह चलता है।

* यह पैन अब आपके बाजार मे उपलब्ध है सफल बॉल पैन

खरीदें एक सफल पैन और पाएं एक पैंसिल मुफ्त

प्र०-12 स्वच्छ भारत अभियान

(a)

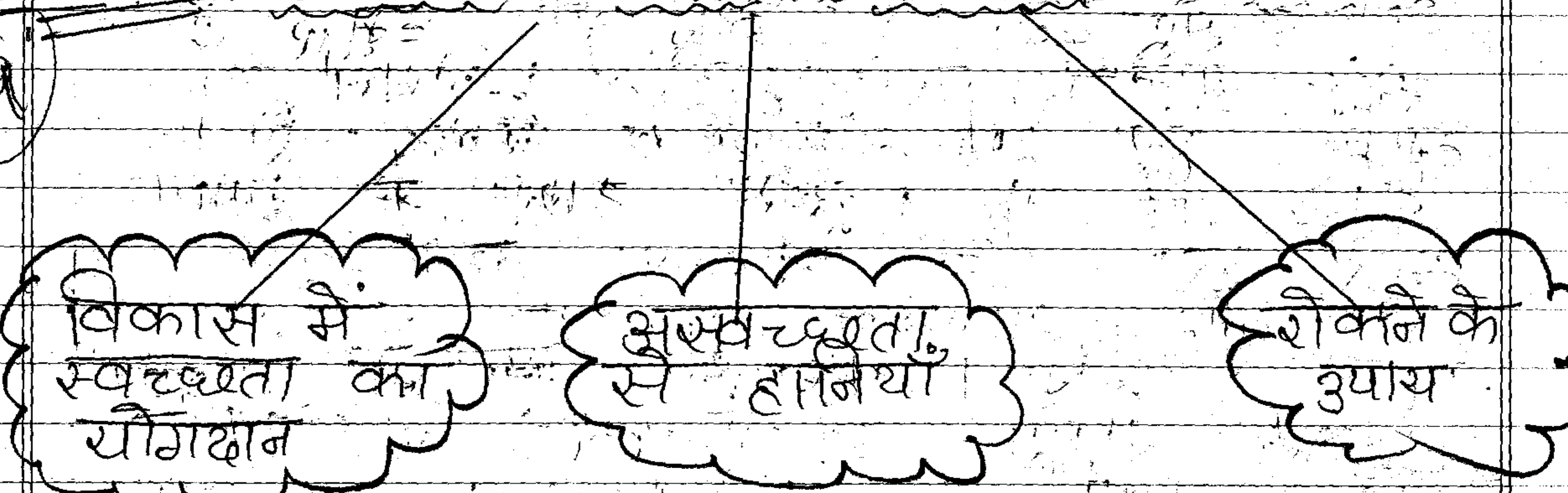

विकास में स्वच्छता का योगधान

स्वच्छता हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह स्वच्छता अभियान हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर को शुरू किया गया था। इस स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अपने देश को साफ रखने का प्रण लिया गया था। स्वच्छता हमारे देश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण

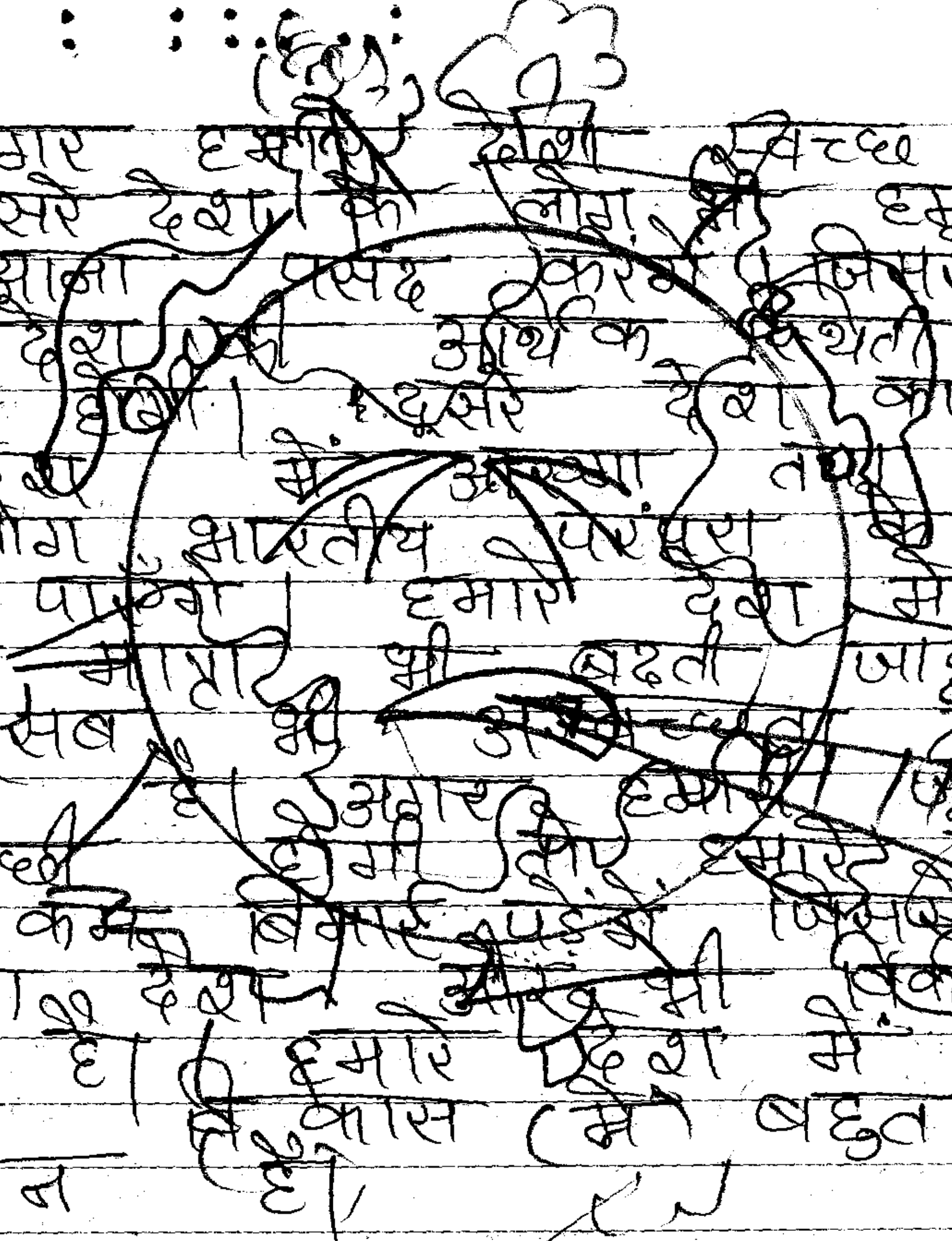

है। अगर हमारा देश स्वच्छ रहेगा तो दूसरे देशों के लोग भी हमारे देश में आना पसंद करेंगे जिससे कि हमारे देश की आर्थिक स्थिती में वृद्धि होगी। दूसरे देश का पैसा हमारे देश में आएगा तथा दूसरे देश के लोग भारतीय परंपरा के बारे में जान पाएँगे। हमारे देश में प्रदूषण की मात्रा भी बढ़ती जा रही है यह सब भी अस्वच्छता के कारण हुआ है। अगर हमारी [illegible] अच्छी होगी तो हमारे देश के लोग कम बिमार पड़ेंगे जिससे की हमारा देश और भी विकसित हो सकता है। हमारे देश में स्वच्छता का विकास (में) बहुत बड़ा योगदान है।

अस्वच्छता से हानियाँ

अस्वच्छता से बहुत सारी हानियाँ होती है जैसे :

→ अस्वच्छता के कारण लोग बिमार पड़ते है। जगह-जगह पर कूड़ों के ढेरों पूरे मुहल्ले रहते है जिससे लोगों को डेंगू मलेरिया जैसी बिमारियों का सामना करना पड़ता है।

→ अस्वच्छता से हमारे देश का विकास भी रुक सकता है। जैसे की कारखानों से निकलने वाला धुआँ एवं जल इन सब से हमारा वातावरण अस्वच्छ होता जा रहा है।

→ कुछ लोग चलते-चलते सड़क पर कूड़ा डाल देते है इस से हमारे सड़के अस्वच्छ होती है।

रोकने के उपाय :—

→ हम लोगों को रैलियों, विज्ञापनों आदि से जागरूक कर सकते हैं जिससे की वो अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ रखें

→ हमें लोगों को सड़कों पर कूड़ा फेंकने से रोकना चाहिए जिससे कि हमारी सड़कें स्वच्छ रहें

→ हमें लोगों को स्वच्छता की अच्छाइयाँ बतानी चाहिए कि हमें स्वच्छता क्यों रखनी चाहिए, स्वच्छता की आवश्यकता आदि

→ हमें अपने घरों में लोगों के साथ भी लोगों को जागरूक करना चाहिए कि वह स्वच्छता को अच्छे से समझ सके तथा अपना वातावरण स्वच्छ बनाए रखें।

हमें कूड़ा हमेशा कूड़े दान में डालना चाहिए इन सब चीजों से हमारा वातावरण स्वच्छ रहेगा और बिमारियाँ कम फैलेंगी। लोग स्वस्थ रहेंगे

79

04276

79
Seventy nine only
04275

3

19